during the same period and the number of villages expected to get electricity in November and December, 1997 and in 1999, respectively; and

(c) by when Government propose to provide electricity for all in the rural areas of the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) and (b) The physical programme and financial outlays for Rural Electrification in the Ninth Five Year Plan are yet to be finalised by the Planning Commission. The Annual Plan for 1998-99 has not been finalised and hence no targets have been fixed month-wise for 1998. The Rural Electrification Corporation has proposed to electrify 283 villages during the months of November & December, 1997.

(c) Rural electrification in a continuous process and the remaining villages in the country will be electrified in the Ninth and the subsequent Five Year Plans depending upon the availability of financial resources, power supply position in the country, total network of transmission and distribution system that could be set up and other relevant inputs.

Participation of Private Sector in Small Power Generation Projects in Maharashtra

285. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Government are encouraging participation of private sector agencies in small power generation projects in Maharashtra to augment the rural electrification programme in the State;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is the response of private sector in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) to (c) The policy of the Government of India encourages the setting up of Power Generation Projects of all sizes through private sector participation. Government has no information about any private power project being exclusively set up to augment the Rural Electrification Programme in the State of Maharashtra.

Private Power projects in Maharashtra

286. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what is the present status of private power projects of Bhadrawati, Dabhol Khaperkheda and Patalganga in Maharashtra;

(b) whether Central and State Governments are monitoring the progress of these projects;

(c) if so, the details thereof; and

(d) by when each of these projects are likely to be completed and start generation of power?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI YOGINDER K. ALAGH): (a) to (c) The projects under question are being monitored by Ministry of Power and the present status of the projects is indicated below:-

Bhadrawati TPP (1082 MW)

The Project has received the Techno-economic Clearance (TEC) of Central Electricity Authority (CEA). The major pending inputs are finalisation of the Power Purchased Agreement (PPA), finalisation of Coal Supply Agreement. Issue of Government of India (GoI) counter-guarantee and financial closure.

Dabhol CCGT (740 MW- Phase-I)

The project has obtained all the necessary inputs including TEC of CEA as well as financial closure.

Patalganga CCGT (447 MW)

The project has received most of the required clearances/inputs. The major pending milestones are TEC by CEA and financial closure.

Khaperkheda TPP (Units 3&4-500 MW)

This project was proposed to be developed by M/s Ballarpur Industries Limited. The Maharashtra State Electricity Board has since informed that the project shall now be taken up by them.

(d) The Dabhol project (Phase-I) is presently under construction and is expected to commence generation in 1998-99. The commissioning of the other projects would depend on tying up of the pending inputs including financial closure.

बिजली का अपव्यय

287. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में पारगम्यता व्यवस्था की सुविधा के अभाव में अनेकों परियोजनाओं में उत्पादन कम हो रहा है अथवा बिजली बिना उपयोग के व्यय नष्ट हो रही है;

(ख) यदि हां, तो बिजली के नुकसान के संबंध में सरकार ने वार्षिक मात्रा का क्या आकलन किया है;

(ग) क्या पावर ग्रिड कार्पोरेशन का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो कारपोरेशन द्वारा अभी तक कौन-कौन सी योजनाएं तैयार की गई है और इनके द्वारा कितनी बेकार बिजली का उपयोग संभव है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ): (क) और (ख) विभिन्न विद्युत केन्द्रों में विद्युत का उत्पादन मांग पर निर्भर करता है जो वर्ष के विभिन्न मौसमों के दौरान बदलती रहती है तथा साथ ही समावेशन क्षमता पर निर्भर करता है उच्च वोल्टता वाली पारेषण लाइनों की उपलब्धता तथा उप पारेषण एवं वितरण सुविधाओं पर निर्भर करती है।

सितम्बर, 1997 में विद्युत उत्पादन की अपेक्षा अक्तूबर, 1997 में 2.437 अधिक विद्युत उत्पादन हुआ और अक्तूबर, 1996 में विद्युत उत्पादन की अपेक्षा 5.1% अधिक विद्युत उत्पादन हुआ। अक्तूबर, 1996 और अक्तूबर, 1997 में अखिल भारत ऊर्जा की कमी क्रमशः 87% और 8.1% थी।

पूर्वी क्षेत्र में कम मांग के कारण ताप विद्युत केन्द्रों को बन्द करना पड़ा हालांकि कुछ संघटकों में व्यस्ततम कालीन घंटों के दौरान विद्युत की कमी रही। ऐसा मुख्यतः अपर्याप्त उप-पारेषण एवं वितरण प्रणालियों के कारण कम समावेशन क्षमता की वजह से है। पूर्वी क्षेत्र में उत्पादन को अधिकतम बनाने के लिए आंध्र प्रदेश को 150 मे॰ वा॰ म॰प्र॰ को 150/300 में॰ वा॰, असम को 100 मे॰ वा॰ तथा उत्तरी क्षेत्र को 120 मे॰वा॰ अंतरित करने के लिए पहले ही कदम उठाए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त उड़ीसा में निर्यात उन्मुख यूनिटों को 130 मे॰ वा॰ तथा मणिपुर को 30 मे॰ वा॰ का आबंटन के॰वि॰प्रा॰ द्वारा किया गया है। केरल को 100 मे॰वा॰ विद्युत का अंतरण करने के लिए भी कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है।

उत्तरी क्षेत्र में भी, अक्तूबर माह के दौरान मांग कम थी। कम मांग ने उत्पादन स्तर को भी प्रभावित किया है।

(ग) और (घ) उत्पादन क्षमता को अधिकतम बनाने के उद्देश्य से पावरग्रिड ने कई अंतः क्षेत्रीय पारेषण लाइनों को चालू किया है। इनका ब्यौरा निम्नवत है:

I. **विद्यमान (प्रचालनाधीन)**

(i) पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्र के मध्य 500 मे॰वा॰ विन्ध्याचल एच॰वी॰डी॰सी॰ बैक-टू-बैक केन्द्र।

(ii) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के मध्य-220 के॰वी॰ वीरपाड़ा-बोंगईगांव

(iii) दक्षिणी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र के मध्य रामागुण्डम चन्द्रपुर-400 के॰वी॰ लाईन

(iv) पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्र-चन्द्रपुर में 1000 मे॰वा॰ एच॰वी॰डी॰सी॰ बैक-टू-बैक का प्रथम 500 मे॰वा॰ पोल